DALIT DIARIES AWARENESS TOOLKIT

A Legal Rights Zine (Hindi)

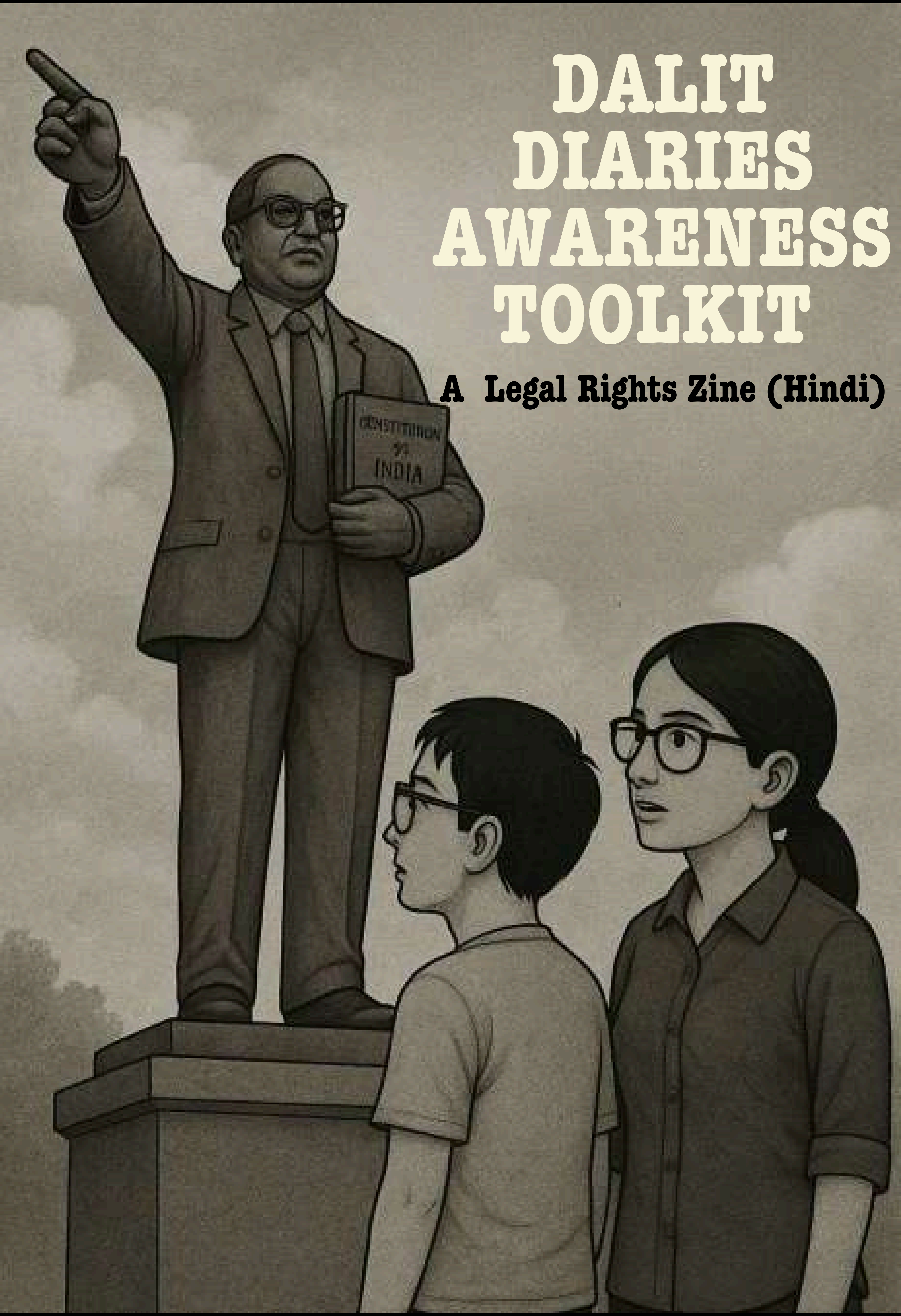

तमिलनाडु में भीड़ ने युवक को पीट-पीटकर मार डाला। परिवार का आरोप है कि हमलावरों ने जातीय द्वेष के चलते हमला किया।
बिहार - महादलितों की बस्ती में हमला, एक ही परिवार के दर्जनों लोग घायल। मामले की जांच शुरू।
राजस्थान -एक दलित छात्र ने घड़े से पानी पी लिया, जिससे नाराज़ होकर ग्रामीणों ने कक्षा की दीवार तोड़ दी और छात्र को पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।
लखीमपुर खीरी (उत्तर प्रदेश): दलित अनों पर लाठी-डंडों से हमला, 6 गिरफ्तार। विपक्ष ने योगी सरकार को घेरा।
मध्यप्रदेश- दलित युवक को पीटकर नाले में फेंका गया। मामला वायरल होने पर प्रशासन हरकत में आया। कई आरोपी गिरफ्तार।
एक दलित दूल्हे को घोड़ी से उतारकर पीटा गया।
समाज पार्टी की मायावती ने घटना पर नाराज़गी जताई और निष्पक्ष जांच की मांग की।

इस देश में दलित समाज के साथ हो रहे अन्याय से मेरा दिल गहराई तक आहत है। क्या हमारे हिस्से में सिर्फ चुपचाप सहना ही लिखा है ?

हमारे संविधान ने दलित समाज को कई महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं, लेकिन अक्सर हम इनसे अनभिज्ञ रहते हैं। अब समय आ गया है कि हम संविधान को गहराई से समझें, अपने अधिकारों को खोजें और उन पर रोशनी डालें।

ARTICLE 14
EQUALITY BEFORE LAW
भारत में प्रत्येक
व्यक्ति कानून की
दृष्टि में समान है।

ARTICLE 15: RIGHTS AGAINST DISCRIMINATION
STOP DISCRIMINATION
जाति
धर्म
लिंग
क्या आप जानते हैं? संविधान साफ़ तौर पर कहता है कि जाति, धर्म या लिंग के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करना पूरी तरह से निषिद्ध है।

इसका मतलब है कि हमें कहीं भी — चाहे वह स्कूल हो, दुकान हो या कोई सरकारी दफ्तर — जाति, धर्म या लिंग के आधार पर रोका नहीं जा सकता। हमें समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हैं।

ARTICLE 17 –
UNTOUCHABILITY ABOLISHED
अब कोई हमें नीचा नहीं दिखा सकता।
अस्पृश्यता एक सामाजिक बुराई नहीं, एक अपराध है।
UNTOUCHABILITY
अब कोई हमें नीचा नहीं दिखा सकता।

कानून कहता है कि समान अवसर सुनिश्चित करने और ऐतिहासिक भेदभाव को कम करने के लिए आरक्षण आवश्यक है। इसी उद्देश्य से संविधान ने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के छात्रों के लिए शैक्षणिक संस्थानों में सीटें और सरकारी नौकरियों में पद आरक्षित किए हैं।
RESERVED
RESERVED
RESERVED

SC
देश और राज्य, दोनों स्तरों पर हमारे लिए सीटें तय की गई हैं, ताकि हमा री आवाज़ व्यवस्था के शीर्ष तक पहुँच सके।
ARTICLE 330 & 332 – SEATS IN LOK SABHA & STATE ASSEMBLIES

PANCHAYAT HALL
गाँव-देहात में भी हमारी भागीदारी पक्की है!
SC
SC
ARTICLE 243D – SEATS IN PANCHAYATS

ARTICLE 338 – OUR WATCHDOG
NATIONAL COMMISSION FOR SCs
अगर हमारा हक छीना गया, तो आयोग इसकी जांच करता है और सरकार को सुधार के निर्देश देता है।
यह सुरक्षा का कवच हमारे साथ है—हमारे अधिकारों की रक्षा के लिए!"

अब यह ज्ञान तुम्हारे हाथ में है
ये सिर्फ अधिकार नहीं , शक्ति का स्रोत हैं। इन्हें जानो, अपनाओ और दूसरों तक पहुँचाओ।
संविधान की रोशनी अब तुम्हारे साथ है — अब तुम्हारी बारी है बदलाव लाने की।"

DO YOU HAVE IDEAS FOR IMPACT? OR A STORY TO TELL?

connect with us

DALIT DIARIES

Archiving Resistance, Amplifying Truth